EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET-6 & 7, SECTOR-C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070
Tel: 91-11-26135256 Email: mails@epch.com
Fax: 91-11-26135518, 26135519 Web: www.epch.in

PRESS RELEASE

SERIOUS BUSINESS WORTH RS 10 CRORE EXPECTED TO BE GENERATED AT TWO-DAY BUYER-SELLER-MEET HELD AT CHILE

New Delhi – November 19, 2013 -- Keeping in view the potential for expansion of trade in Latin American Countries (LAC) particularly with Chile and the need to increase the interaction between the business entities, the Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) has been organizing Buyer-Seller-Meet (BSM) annually at Santiago, Chile for development and promotion of various items falling under the Handicrafts category.

The 4th edition in the BSM series in Chile was held on November 12 and 13, 2013 in which serious business worth Rs 10 crore is expected to be generated.

The BSM had display by 28 Indian companies and the range of products on display included home furnishing & floorings, jewellery, accessories and bags, stoles, scarves and shawls, incense sticks, candles, Christmas decoration, handicrafts and gifts etc.

Secretary (Textiles) Ms. Zohra Chatterji inaugurated the Buyer-Seller Meet in the presence of Mr. S.S. Gupta, Development Commissioner (Handicrafts), Mr. Lekhraj Maheshwari, Chairman-EPCH, Mr. Jorge Guerrero, Chairman Indo –Chilean Chamber of Commerce and Mr. S. Raghavan Charge d' Affairs, Embassy of India, Chile beside members of the trade and industry

An important aspect of the BSM was organisation of a seminar on "India- A Preferred Sourcing Destination for Handicrafts and Gifts". Mr. R.K. Srivastava, Executive Director-National Centre for Design and Product Development (NCDPD) made a presentation on the importance of sourcing from India for increasing profitability by the importers in Chile and Development Commissioner (Handicrafts) on "Handicrafts Sector in India".

Textiles Secretary, Ministry of Textiles also addressed the seminar beside the Chairman of Indo-Chilean Chamber of Commerce.

Chile is a market-oriented economy. It is one of the South America's most stable and prosperous countries. Chile leads all the South American countries in the area of competitiveness, globalization, economic freedom and low perception of corruption.

Exports account for more than one forth of GDP, with commodities making up some three quarters of total exports. Chile claims to have more bilateral or regional trade agreements than any other country. It has 57 such agreements including a PTA with India. India–Chile bilateral trade is about US$ 1.8 billion currently, with exports from Chile being about US$ 1.5 billion and imports about US$ 300 million. Since the economy

of Chile is stable, wages have risen, life styles of the people are changing and there is a demand for gift and decorative items.

The 4th edition of Buyer-Seller-Meet was successful in the continuous efforts of EPCH for sustaining Chilean markets and increasing handicrafts exports to the region. The two days BSM expected to generate serious business of Rs. 10 crores.

For more information, please contact :
Mr. Rakesh Kumar, Executive Director – EPCH + 91-9818272171

प्रेस विज्ञप्ति

चिली में आयोजित दो—दिवसीय क्रेता—विक्रेता—संगम में
10 करोड़ रुपये के कारोबार की संभावना

नयी दिल्ली, 19 नवम्बर 2013 : लातिन अमेरिका, खासकर चिली में कारोबार के विस्तार की क्षमता और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के साथ सम्पर्क बढ़ाने की जरूरतों के मद्देनजर हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) हस्तशिल्प की श्रेणी में आने वाले विभिन्न पदार्थों के विकास और संवर्धन के लिए चिली की राजधानी सैंटिएगो में प्रतिवर्ष क्रेता—विक्रेता—सम्मेलन (बीएसएम) आयोजित करती रही है।

क्रेताओं और विक्रेताओं के सम्मेलन का चौथा संस्करण 12 और 13 नवम्बर को चिली में आयोजित किया गया था, जिसमें 10 करोड़ रुपये से अधिक के व्यापक कारोबार की संभावना है।

बीएसएम में 28 भारतीय कंपनियों ने शिरकत की और इसमें फर्निशिंग एवं फ्लोरिंग्स, ज्वैलरी, एक्सेसरीज एवं बैग, स्टोल्स, स्कार्फ एवं शॉल, अगरबत्ती, मोमबत्ती, क्रिसमस संबंधी सजावटी सामग्रियां, हस्तशिल्प एवं उपहार आदि उत्पाद प्रदर्शित किये।

कपड़ा सचिव सुश्री जोहरा चटर्जी ने विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)एस.एस. गुप्ता, ईपीसीएच अध्यक्ष श्री लेखराज माहेश्वरी, भारत—चिली चैम्बर आफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री जार्ज गुरेरो तथा चिली में भारत के राजदूत श्री एस. राघवन तथा उद्योग एवं व्यापार जगत के अनेक सदस्यों की उपस्थिति में इस सम्मेलन का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर एक संगोष्ठी भी आयोजित की गई, जिसका विषय था— "भारत— हस्तशिल्प एवं उपहार के लिए अधिमान्य ठिकाना।" नेशनल डिजाइन एवं प्रोडक्ट डेवलपमेंट (एनसीडीपीडी) के कार्यकारी निदेशक श्री आर. के. श्रीवास्तव ने चिली के आयातकों की लाभदेयता बढ़ाने के लिए भारत से हस्तशिल्प उत्पाद मंगाने की महत्ता पर प्रकाश डालने के वास्ते प्रस्तुति दी, जबकि विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) ने भारत के हस्तशिल्प क्षेत्र पर प्रकाश डाला।

इंडो—चिलीयन चैम्बर आफ कॉमर्स के अध्यक्ष के अलावा कपड़ा सचिव ने भी संगोष्ठी को सम्बोधित किया।

चिली की अर्थव्यवस्था बाजारोन्मुखी है। यह दक्षिण अमेरिका के सर्वाधिक स्थायी और समृद्ध देशों में से एक है। प्रतिस्पर्धा, वैश्वीकरण, आर्थिक आजादी और नगण्य भ्रष्टाचार के मामले में चिली दक्षिणी अमेरिकी देशों का अगुआ है।

सकल घरेलू उत्पाद में निर्यात की हिस्सेदारी एक चौथाई है, जबकि कुल निर्यात में जिन्स का हिस्सा तीन चौथाई है। चिली का भारत के साथ किसी अन्य देश की तुलना में अधिक द्विपक्षीय या क्षेत्रीय व्यापार समझौता है। चिली ने भारत के साथ पीटीए सहित 57 समझौते किये हैं। दोनों देशों का मौजूदा द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.8 अरब अमेरिकी डॉलर है। चिली से भारत को 1.5 अरब डॉलर का निर्यात किया जाता है, जबकि वह भारत से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर का आयात करता है। चूंकि चिली की अर्थव्यवस्था स्थिर है, वेतनमान बढ़े हैं, लोगों का जीवन—स्तर बदल रहा है। इस प्रकार वहां उपहार और सजावटी सामानों की मांग बढ़ी है।

चिली के बाजारों में अपनी पैठ बनाये रखने और इस क्षेत्र में हस्तशिल्प निर्यात बढ़ाने के सतत प्रयास में बीएसएम का यह चौथा संस्करण सफल रहा है। दो—दिवसीय बीएसएम से 10 करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार होने की संभावना है।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :—
श्री राकेश कुमार, कार्यकारी निदेशक— ईपीसीएच +91—981827217

SEMINARIO SOBRE
India: Destino preferido de compras de
Artesanias y Articulos de Regalos